मेरे बचपन के दिन

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» पाठ के मुहावरों का चयन और वाक्य-प्रयोग

प्रश्न 1 (आसान). “भूल जाना” मुहावरे को सही भाव के साथ एक वाक्य में प्रयोग करो।
उत्तर – “मैं कल की कॉपी घर पर भूल जाना कर बैठा, इसलिए आज टीचर ने डांटा।”

प्रश्न 2 (आसान). “क्लेश” का मतलब किस तरह की परेशानी/दुख से जुड़ा है? एक वाक्य लिखो।
उत्तर – “झगड़े के बाद घर में बहुत क्लेश फैल गया।”

प्रश्न 3 (मध्यम). “तगादा” का वाक्य बनाओ–जैसे कोई बार-बार कुछ मांग रहा हो।
उत्तर – “प्रोजेक्ट जमा करने की तारीख निकली तो टीचर ने बार-बार तगादा करना शुरू कर दिया।”

प्रश्न 4 (कठिन). “खिल्ली उड़ाना” और “भूल जाना”–दोनों मुहावरों को एक ही अनुच्छेद में अलग-अलग वाक्यों में प्रयोग करो (कुल 3 वाक्य)।
उत्तर – “मैंने कल की प्रैक्टिस भूल जाना कर दी, इसलिए परीक्षा में तैयारी कमजोर रही। तभी कुछ दोस्त ने मेरी खिल्ली उड़ाना शुरू कर दी। मैंने मन लगाकर दोबारा पढ़ाई की और आगे ऐसा नहीं होने दिया।”

» लेखक द्वारा व्यक्तित्व-चित्रण: विशेषणों की सूची

प्रश्न 5 (आसान). पाठ में ‘प्रतिष्ठित हो चुकी थीं’ में कौन-सा गुण-सूचक शब्द है?
उत्तर – प्रतिष्ठित

प्रश्न 6 (आसान). महादेवी जी ‘डर के मारे’ क्यों कहती हैं? (इस भाव को शब्द में कैसे पकड़ेंगे?)
उत्तर – ‘डर के मारे’ (डर/भाव का शब्द समूह)

प्रश्न 7 (मध्यम). सुभद्रा जी के व्यक्तित्व को उभारने वाले 2 शब्द लिखो जो उनकी स्थिति/छवि दिखाएँ।
उत्तर – ‘बड़ी’ और ‘प्रतिष्ठित’

प्रश्न 8 (कठिन). किसी एक व्यक्ति (गांधी जी/सुभद्रा जी/छात्रावास की साथी) के लिए ‘व्यक्ति + शब्द + क्यों’ इस फॉर्मेट में 4-शब्दों की सूची बनाइए।
उत्तर – उदाहरण (सुभद्रा जी): ‘बड़ी’–उम्र/स्थिति का संकेत; ‘प्रतिष्ठित’–सम्मान स्थापित; ‘डर के मारे’–उनका प्रभाव; ‘छिपा-छिपाकर’–उनके सामने बोलने/लिखने में झिझक।

» बहुभाषी/बहुसांस्कृतिक छात्रावास का यथार्थ

प्रश्न 9 (आसान). पाठ के अनुसार छात्रावास में कौन-सी बात नहीं थी?
उत्तर – सांप्रदायिकता नहीं थी।

प्रश्न 10 (आसान). छात्रावास में पढ़ाई के लिए माध्यम क्या था?
उत्तर – हिंदी।

प्रश्न 11 (मध्यम). पाठ में उर्दू पढ़ाई जाती थी–फिर भी आपस में लड़कियाँ कैसे बोलती थीं?
उत्तर – पढ़ाई हिंदी थी, उर्दू भी पढ़ाई जाती थी, लेकिन आपस में वे अपनी भाषा में ही बोलती थीं।

प्रश्न 12 (कठिन). बहुभाषी/बहुसांस्कृतिक छात्रावास का यथार्थ लिखिए: विविधता के साथ मेलजोल कैसे बनता है? दो उदाहरण देकर कारण बताइए।
उत्तर – विविधता: लड़कियाँ अलग-अलग बोली/भाषा बोलती थीं। मेलजोल का कारण: सांप्रदायिकता नहीं थी। रोज़ के साझा काम–एक मेस में खाना और एक प्रार्थना में साथ खड़ा होना–पर विवाद नहीं होता था; इसलिए रिश्ता बनता था।

» उर्दू-फारसी/पढ़ाई के प्रसंग: लेखिका की निर्णय-प्रेरणा

प्रश्न 13 (आसान). मौलवी साहब को देखने के बाद लेखिका क्या करती हैं?
उत्तर – वह डरकर दूसरे दिन चारपाई के नीचे छिप जाती हैं।

प्रश्न 14 (आसान). मिशन में प्रार्थना/वातावरण कैसा था?
उत्तर – वातावरण दूसरा था और प्रार्थना दूसरी थी।

प्रश्न 15 (मध्यम). लेखिका कहती हैं 'मेरा मन नहीं लगा'–इसका प्रभाव क्या हुआ?
उत्तर – वह वहाँ जाना बंद कर देती हैं।

प्रश्न 16 (मध्यम). क्या लेखिका का निर्णय सिर्फ डर से था या और भी कारण थे? पाठ के आधार पर लिखिए।
उत्तर – सिर्फ डर नहीं; मौलवी साहब देखकर डर हुआ और मिशन में वातावरण/प्रार्थना अलग होने से मन नहीं लगा–दोनों मिलकर निर्णय बने।

प्रश्न 17 (कठिन). 'निर्णय-प्रेरणा' शब्द के अनुसार समझाइए: लेखिका का निर्णय कैसे बनता है–डर, माहौल, और पढ़ाई के रिश्ते को जोड़कर लिखिए।
उत्तर – पहले डर (मौलवी साहब) से बचने की प्रवृत्ति बनती है, फिर नए माहौल में प्रार्थना/व्यवस्था अलग होने से मन नहीं लगता। इसलिए वह उस स्थान/पढ़ाई में टिक नहीं पातीं और उर्दू-फारसी सीखने की कोशिश रुक जाती है।

» कविता-लेखन की शुरुआत और प्रतिस्पर्धा का अनुभव

प्रश्न 18 (आसान). कवि-सम्मेलन में 'नाम पुकारे जाने' वाली स्थिति किस तरह मदद करती है?
उत्तर – वह बेचैनी/उत्साह बढ़ाती है, जिससे तैयारी और प्रदर्शन बेहतर होता है।

प्रश्न 19 (आसान). कविता पर पुरस्कार मिलने से सबसे सीधा असर क्या होता है?
उत्तर – आत्मविश्वास बढ़ता है और आगे लिखने की प्रेरणा मिलती है।

प्रश्न 20 (मध्यम). प्रतिस्पर्धा का अनुभव केवल जीत तक सीमित क्यों नहीं होना चाहिए?
उत्तर – कविता का अनुभव संवेदना और जिम्मेदारी भी सिखाता है–जैसे पुरस्कार की वस्तु को रिश्तों/सहजता में बदल देना।

प्रश्न 21 (कठिन). 'ठीक है, अब तुम एक दिन खीर बनाओ...'–इस घटना से कविता-यात्रा के बारे में क्या समझ आती है?
उत्तर – जीत/पुरस्कार सिर्फ अलग से 'मेरे पास' रखने वाली चीज नहीं रहता; वह घर के रिश्तों और भावों से जोड़कर यादगार बनता है–यानी सफलता का प्रभाव जीवन में फैलता है।

» कटोरे का प्रसंग: मूल्य, संबंध और संवेदना

प्रश्न 22 (आसान). कटोरा इस प्रसंग में सिर्फ क्या नहीं माना गया है?
उत्तर – सिर्फ धातु/चीज़ नहीं–यह पुरस्कार और संबंध का प्रतीक है।

प्रश्न 23 (आसान). लेखिका ने कटोरा किसे दिया?
उत्तर – अपने बापू को।

प्रश्न 24 (मध्यम). 'कटोरा लेकर कहते, कविता क्या है?'–इस बात से लेखक/लेखिका क्या संकेत देती हैं?
उत्तर – लोग पुरस्कार तो देखते हैं, पर कविता/मेहनत की असली कीमत को नहीं समझते।

प्रश्न 25 (कठिन). मूल्य, संबंध और संवेदना–तीनों को जोड़कर 5-6 पंक्तियों में लिखो कि कटोरे का प्रसंग हमें क्या सिखाता है।

उत्तर – कटोरा पुरस्कार का मूल्य है क्योंकि यह मेहनत का सम्मान है। लेकिन लेखिका इसे बापू को देकर दिखाती हैं कि मूल्य का सही अर्थ संबंधों में है–खुशी बाँटने में। साथ ही संवेदना यह है कि केवल खुद को खुश करना नहीं, सामने वाले की भावनाओं/सम्मान का ध्यान रखना भी जरूरी है। इसलिए यह प्रसंग सिखाता है कि पुरस्कार वस्तु नहीं, रिश्तों के साथ जुड़कर इंसानियत का रूप लेता है।

» संस्मरण/डायरी लेखन: अपने अनुभवों की भाव-व्यवस्था

प्रश्न 26 (आसान). डायरी में "भाव-व्यवस्था" का मतलब क्या है?

उत्तर – घटना के साथ-साथ मन में आए भावों का क्रम (कैसा लगा और कब लगा) दिखाना।

प्रश्न 27 (आसान). सिर्फ "क्या हुआ" लिखना क्यों कम है?

उत्तर – क्योंकि पढ़ने वाला आपके अनुभव को महसूस नहीं कर पाता; संवेदना और भाव चाहिए।

प्रश्न 28 (मध्यम). सांस्कृतिक कार्यक्रम वाली डायरी में क्रम (sequence) कैसे लिखोगे?

उत्तर – तैयारी से पहले नाम/समय के ठीक पहले की बेचैनी मंच पर बाद में राहत/सीख–इस क्रम में।

प्रश्न 29 (कठिन). एक पैराग्राफ लिखो जिसमें 3 संवेदनाएँ हों (गला/हाथ/सांस या कोई दो) और साथ में भाव-प्रवाह भी दिखे।

उत्तर – उदाहरण: 'नाम बुलाने से पहले मेरे गले में सूखापन था, हाथ ठंडे पड़ रहे थे और सांसें तेज़ चल रही थीं। बाहर मैं ठीक-ठाक दिखता था, पर अंदर घबराहट की लहर बार-बार उठ रही थी। मंच की रोशनी सामने पड़ते ही डर थोड़ी देर बढ़ा, फिर शब्द निकलने लगे और बेचैनी धीरे-धीरे उत्साह में बदल गई।'

» विलोम शब्द: दिए शब्दों के अर्थ-आधारित विपरीतार्थक

प्रश्न 30 (आसान). 'शांति' का विलोम लिखिए।

उत्तर – अशांति

प्रश्न 31 (आसान). 'अनंत' का विलोम लिखिए।

उत्तर – सांत/सीमित

प्रश्न 32 (मध्यम). 'निरपराधी' का विलोम लिखिए।

उत्तर – दोषी/सपराधी

प्रश्न 33 (कठिन). 'दंड' का अर्थ सजा है। इसका अर्थ-विपरीत विलोम लिखिए।

उत्तर – अनुदंड (दंड का अभाव) / माफी (प्रसंगानुसार)

» उपसर्ग/प्रत्यय अलग करना और मूल शब्द पहचानना

प्रश्न 34 (आसान). शब्द "सांप्रदायिकता" में प्रत्यय अलग करो।

उत्तर – "-ता"

प्रश्न 35 (आसान). शब्द "स्वतंत्राता" में अंत का प्रत्यय कौन सा है?

उत्तर – "-ता"

प्रश्न 36 (मध्यम). "निरपराधी" को तोड़ने में शुरुआत में कौन सा उपसर्ग दिखता है?

उत्तर – "निर-"

प्रश्न 37 (कठिन). "सांप्रदायिकता" में प्रत्यय अलग करने के बाद बचा शब्द क्या होगा?

उत्तर – "सांप्रदायिक"

» उपसर्ग-प्रत्ययों की सहायता से नए शब्द बनाना

प्रश्न 38 (आसान). उपसर्ग "अ" लगाकर "संभव" से नया शब्द बनाइए।
उत्तर – असंभव

प्रश्न 39 (आसान). प्रत्यय "वाला" लगाकर "घर" से नया शब्द बनाइए।
उत्तर – घरवाला

प्रश्न 40 (मध्यम). उपसर्ग "स्व" से दो शब्द बनाइए: (i) देश के साथ (ii) रूप के साथ।
उत्तर – (i) स्वदेश (ii) स्वरूप

प्रश्न 41 (कठिन). प्रत्यय "अनीय" से "मान" का शब्द बनाइए और बताइए उसका अर्थ-भाव क्या होगा।
उत्तर – माननीय; यानी सम्मान के योग्य/जिसका आदर किया जाए।

» सामासिक पद का विग्रह (तोड़कर अर्थ-निर्माण)

प्रश्न 42 (आसान). "बेल-बूटे" को विग्रह में तोड़कर अर्थ-निर्माण करो।
उत्तर – विग्रह: बेल + बूटे; अर्थ: बेल-बूटे वाली (डिजाइन/काम से युक्त) वस्तु।

प्रश्न 43 (आसान). "गोल्ड" शब्द नहीं, लेकिन दिए गए "इनाम" जैसे भाव में–समझो: सामासिक पद में घटक शब्द निकालने होते हैं। सही कदम बताओ।
उत्तर – पहले घटक शब्द पहचानो, फिर घटकों के मेल से अर्थ बनाओ–सिर्फ अक्षर तोड़ना नहीं।

प्रश्न 44 (मध्यम). "ताँबे और राँगे से बनी मिश्र धातु" को शब्द-रचना की तरह समझो: अगर कोई सामासिक पद बना हो, तो विग्रह कैसे लिखोगे?
उत्तर – घटक: ताँबा + राँगा; जोड़/भाव: "ताँबे और राँगे से बनी" – यानी उसी से मिश्र धातु का अर्थ बनता है।

प्रश्न 45 (कठिन). पाठ में एक सामासिक पद आता है–तुम्हें विग्रह लिखना है। लिखते समय कौन-सी 2 चीजें अनिवार्य रखोगे?
उत्तर – 1) सामासिक पद के घटक शब्दों का सही विग्रह। 2) घटकों के मेल से बनने वाला अर्थ-निर्माण (भाव) साफ-साफ लिखना।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. पाठ में दिए मुहावरे "खिल्ली उड़ाना" का अर्थ भाव सहित लिखकर 2 वाक्य अपने शब्दों में बनाइए।

› मुहावरा पहचानो: "खिल्ली उड़ाना"
› अर्थ भाव समझो: मज़ाक बनाकर ताने देना/उड़ाना
› वाक्य-1 बनाओ: स्थिति–किसी ने काम ठीक से नहीं किया, दूसरा मज़ाक उड़ाने लगा
› वाक्य-2 बनाओ: स्थिति–किसी की गलती पर लोग मज़ाक करें

उत्तर – अर्थ: "खिल्ली उड़ाना" का मतलब है किसी का मज़ाक बनाकर उसे ताने देना/उड़ाना।
वाक्य-1: "जब राहुल ने अपना होमवर्क नहीं किया, तो उसके दोस्त ने उसकी खिल्ली उड़ाना शुरू कर दी।"
वाक्य-2: "टीचर ने समझाया तो कुछ बच्चे फिर भी न समझकर उसकी खिल्ली उड़ाना लगे रहे।"

उदाहरण 2. महादेवी वर्मा के पाठ 'मेरे बचपन के दिन' में सुभद्रा कुमारी चौहान का व्यक्तित्व-चित्रण करने वाले विशेषण/गुण बताने वाले शब्दों की सूची बनाइए (कम-से-कम 4 शब्द)।

› व्यक्ति चुनो: सुभद्रा कुमारी चौहान
› पाठ में उन वाक्यों को खोजो जहाँ उनके गुण/स्थिति/स्वभाव का संकेत मिलता है
› जिन शब्दों से गुण बनता है, उन्हें लिखो–जैसे उम्र/प्रतिष्ठा/प्रभाव
› हर शब्द के आगे 1 छोटा कारण लिखो कि वह गुण कैसे बताता है

उत्तर – उदाहरण सूची: 1) 'बड़ी' (उम्र/प्रतिष्ठा का संकेत), 2) 'प्रतिष्ठित' (सम्मान/पहचान स्थापित), 3) 'डर के मारे' (लेखिका के मन में उनका प्रभाव), 4) 'छिपा-छिपाकर' (उनके सामने खुलकर लिखने में झिझक/नियंत्रण का भाव)।

उदाहरण 3. पाठ में छात्रावास के बहुभाषी यथार्थ को समझते हुए लिखिए कि "बहुभाषी परिवेश" सिर्फ भाषा का फर्क नहीं है, बल्कि मेलजोल कैसे बनता है। पाठ से दो संकेत चुनकर कारण सहित लिखिए।

› पहला संकेत चुनो: भाषा/बोली अलग होना–उदाहरण के लिए अवधी-बुंदेली में आपस में बोलना।
› कारण लिखो: भाषा अलग होने के बावजूद "कोई अंतर नहीं आता था" यानी दूरी/दुश्मनी नहीं बनती।
› दूसरा संकेत चुनो: रोज़मर्रा की साझा गतिविधियाँ–एक मेस में खाना और एक प्रार्थना में साथ खड़े होना।
› कारण लिखो: साझा काम से परिचय बढ़ता है, इसलिए "कोई विवाद नहीं होता था।"
› निष्कर्ष: सांप्रदायिकता की अनुपस्थिति + आपसी सम्मान + साझा दिनचर्या = मेलजोल।

उत्तर – पाठ के अनुसार छात्रावास में बोली/भाषा अलग-अलग है–लड़कियाँ आपस में अपनी भाषा में बोलती थीं, जैसे अवधी और बुंदेली। लेकिन "कोई अंतर नहीं आता था" और "सांप्रदायिकता नहीं थी", इसलिए भाषा का फर्क दूरी नहीं बनाता। साथ ही साझा दिनचर्या भी है–"हम एक मेस में खाते थे" और "एक प्रार्थना में खड़े होते थे"; इसी कारण "कोई विवाद नहीं होता था" और आपसी मेलजोल बनता है।

उदाहरण 4. पाठ के आधार पर बताइए कि लेखिका उर्दू-फारसी क्यों नहीं सीख पाईं। कारणों को एक साथ लिखिए–सिर्फ एक कारण नहीं।

› पहला कारण पहचानिए: मौलवी साहब को देखकर डर पैदा होना।
› दूसरा कारण जोड़िए: मिशन/नए स्थान का वातावरण और प्रार्थना का ढंग अलग होना।
› तीसरा निष्कर्ष लिखिए: मन न लगने से लेखिका वहाँ जाना बंद कर देती हैं।

उत्तर – लेखिका उर्दू-फारसी इसलिए नहीं सीख पाईं क्योंकि मौलवी साहब को एक दिन देखकर उन्हें डर लगा और वह दूसरे दिन छिप गईं। फिर जब उन्हें मिशन में रखा गया, वहाँ का वातावरण और प्रार्थना दूसरी थी, जिससे उनका मन नहीं लगा और उन्होंने वहाँ जाना बंद कर दिया–यहीं से उनकी उर्दू-फारसी सीखने की प्रक्रिया रुक गई।

उदाहरण 5. मान लो आप कवि-सम्मेलन में कविता सुनाने जा रहे हो। आपको लगता है तुक सही नहीं बैठ रही। आप 3 दिन में कविता-लेखन को कैसे आगे बढ़ाओगे, ताकि प्रतिस्पर्धा वाली बेचैनी सकारात्मक बन जाए?

› पहले 2-2 पंक्तियों में तुक/लय तय करो–अंतिम शब्दों की ध्वनि एक जैसी रखो।
› फिर अपनी 6-8 पंक्तियों को भाव के हिसाब से क्रम में करो–कहना क्या है, पहले तय करो।
› कवि-सम्मेलन वाले 'नाम पुकारे जाने' जैसी बेचैनी को तैयारी में लगाओ–हर दिन 1 बार जोर से रिहर्सल।
› अंत में किसी एक मित्र/घर वाले से सुनाकर सुधार लो–जहाँ तुक टूटे, वहीं फिर लिखो।
› अंतिम दिन बस अभ्यास–नई रचना नहीं, वही कविता साफ बोलो ताकि मंच पर आत्मविश्वास रहे।

उत्तर – तुक-लय पहले तय करके, भाव-क्रम बनाकर, रोज़ रिहर्सल से बेचैनी को तैयारी में बदलो; फिर सामने सुनाकर संशोधन करो–ऐसे लिखोगे तो प्रतिस्पर्धा तुम्हें सुधारने के लिए प्रेरित करेगी, सिर्फ डराएगी नहीं।

उदाहरण 6. लेखिका को काव्य प्रतियोगिता में चाँदी का कटोरा मिला। अगर आप यह अनुमान लगाएँ कि लेखिका ने कटोरा अपने बापू को क्यों दिया होगा, तो 'मूल्य, संबंध और संवेदना'–इन तीनों बिंदुओं के हिसाब से 3-4 कारण लिखिए।

› पहले लिखो: कटोरा एक पुरस्कार है, मेहनत का सम्मान–यही इसका मूल्य है।
› फिर जोड़ो: लेखिका ने उसे बापू को दिया, इसलिए मूल्य का अर्थ 'रिश्ते' के साथ जुड़ गया।
› फिर संवेदना लिखो: सामने वाले के सम्मान/खुशी का ध्यान रखना–सिर्फ खुद को खुश करना नहीं।
› अंत में लिखो: जिन लोगों ने 'कविता' पर नहीं, 'कटोरा' पर ध्यान दिया–उनसे लेखिका का दृष्टिकोण अलग दिखता है।

उत्तर – लेखिका ने कटोरा अपने बापू को इसलिए दिया होगा क्योंकि कटोरा पुरस्कार है और उसकी मेहनत का सम्मान करता है (मूल्य)। लेकिन लेखिका उसे अपने परिवार/बापू के साथ बाँटकर असली अर्थ रिश्ते में बदल देती हैं (संबंध)। साथ ही, वे चाहती हैं कि बापू भी इस खुशी/सम्मान को महसूस करें, इसलिए उनकी संवेदना काम करती है। और 'कविता क्या है?' जैसी बातों से यह भी समझ आता है कि लेखिका केवल वस्तु को नहीं, रचनात्मक प्रयास की कीमत भी समझती हैं।

उदाहरण 7. अपने विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेते समय जो बेचैनी/घबराहट हुई, उस पर लगभग एक पेज डायरी लिखिए। इसमें स्मृति का क्रम, भाव-व्यवस्था और संवेदना–तीनों दिखाइए।

› तारीख/दिन और कार्यक्रम का नाम लिखो (छोटा-सा परिचय)
› घटना चुनो: मंच पर कविता पाठ/नृत्य/भाषण में से एक
› क्रम तय करो: तैयारी से पहले नाम बुलाने से पहले मंच पर बाद में
› भाव जोड़ो: घबराहट, उत्साह, डर, शर्म, राहत–जो भी सच में आया
› संवेदना के 2-3 ठोस संकेत चुनो: सांस, गला, हाथ, आवाज, रोशनी/भीड़
› अंत में एक छोटी-सी बात लिखो कि बाद में कैसा लगा और क्या सीख मिली

उत्तर – आज (तारीख) को हमारे विद्यालय का सांस्कृतिक कार्यक्रम था। मंच पर मेरा नाम पहले से लिखकर देख रखा था, फिर भी जैसे-जैसे समय पास आ रहा था, मन बेचैन होता जा रहा था।

कार्यक्रम शुरू होने से पहले मैं बार-बार सोच रहा था–कहीं आवाज़ कांप न जाए, कहीं शब्द भूल न जाऊँ। मेरी सांसें तेज़ हो रही थीं और हाथ ठंडे पड़ रहे थे। मैं दोस्तों के साथ बाहर से सामान्य दिखने की कोशिश कर रहा था, लेकिन अंदर से एक अजीब-सी घबराहट मुझे बार-बार दबा रही थी।

सबसे ज्यादा बेचैनी तब हुई जब नाम बुलाए जाने का समय निकला। उस पल मुझे भीड़ का शोर बहुत दूर तक फैला हुआ लगा–जैसे मेरे कानों में सिर्फ वही आवाज़ चल रही हो। मेरा गला सूख गया था; बोलते-बोलते रुक जाना नहीं चाहता था। मन में एक ही बात चल रही थी–अब बस कर देना है।

जब मैंने मंच पर आकर कविता शुरू की, तो पहले दो लाइनें बोलते ही लगा कि दिल अभी भी तेज़ धड़क रहा है। रोशनी मेरी आँखों में चुभ रही थी और सामने बैठे लोगों की नजरें महसूस हो रही थीं। फिर धीरे-धीरे मैं खुद को संभालने लगा। शब्द अपने-आप निकलने लगे, और बेचैनी थोड़ी कम होकर एक तरह के उत्साह में बदल गई।

कार्यक्रम के बाद तालियाँ बजीं तो पहली बार लगा कि जो डर था, वह कम हो गया है। मैंने राहत की सांस ली। घर आकर समझ आया कि मंच पर जाना सिर्फ प्रदर्शन नहीं है–यह अपने मन की बेचैनी को पहचानकर उसे शब्दों में बदलना भी है। अगली बार मैं बेहतर तैयारी करूँगा और डर को कम कर दूँगा।

उदाहरण 8. दिए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए: विद्वान, अनंत, निरपराधी, दंड, शांति।

› हर शब्द का अर्थ पहले समझो।
› उस अर्थ का बिल्कुल विपरीत अर्थ सोचो।
› विपरीत अर्थ के लिए वही विलोम शब्द लिखो जो प्रचलित/पाठ्य-प्रसंग में मान्य हो।
› अंत में शब्दों को दोबारा मिलाकर देखो कि अर्थ सच में उल्टा बन रहा है।

उत्तर – विद्वान–अविद्वान; अनंत–सांत/सीमित; निरपराधी–दोषी/सपराधी; दंड–अनुदंड/माफी (प्रसंगानुसार); शांति–अशांति।

उदाहरण 9. शब्द "स्वतंत्राता" में उपसर्ग/प्रत्यय अलग कीजिए और मूल शब्द बताइए।

› शब्द के अंत को देखो: "स्वतंत्राता" के अंत में "-ता" बार-बार आने वाला प्रत्यय है।
› इसलिए "-ता" प्रत्यय अलग करो।
› अब शब्द बचता है: "स्वतंत्र" (यानी "स्वतंत्र" मूल-रूप/आधार)।
› अब शुरुआत में "स्व-" उपसर्ग का संकेत मिलता है, पर परीक्षा में प्राथमिक काम प्रत्यय हटाकर मूल-आधार तक पहुँचना है; मूल शब्द का सही केंद्र "स्वतंत्र" है।

उत्तर – उपसर्ग (संकेत): "स्व-"; प्रत्यय: "-ता"; मूल शब्द: "स्वतंत्र"

उदाहरण 10. उपसर्ग "स्व" की सहायता से दो शब्द बनाइए और उनके मूल शब्द पहचानिए। (उदाहरण के लिए: स्व + देश, स्व + रूप)

› पहले उपसर्ग पहचानो: "स्व"। यह शब्द के शुरू में लगेगा।
› मूल शब्द "देश" चुनो और "स्व" जोड़ो: स्व + देश = स्वदेश।
› यहाँ "देश" मूल शब्द है, "स्व" उपसर्ग है।
› दूसरा मूल शब्द "रूप" चुनो: स्व + रूप = स्वरूप।
› यहाँ "रूप" मूल शब्द है, "स्व" उपसर्ग है।

उत्तर – स्वदेश (मूल शब्द: देश), स्वरूप (मूल शब्द: रूप)

उदाहरण 11. दिए गए सामासिक पद "नक्काशीदार" का विग्रह करके अर्थ-निर्माण कीजिए।

› पहचानो: "नक्काशीदार" एक सामासिक पद है–एक ही शब्द में अर्थ जुड़ा है।
› विग्रह करो: इसके घटक मानो–"नक्काशी" + "दार" (भाव 'युक्त/सहित' जैसा)।
› अर्थ-निर्माण: 'दार' जैसे भाव को जोड़ते हुए अर्थ बनता है–"नक्काशी से युक्त/जिसमें नक्काशी हो।"
› वाक्य/प्रयोग की तरह लिखो: नक्काशीदार = नक्काशी वाला/नक्काशी से युक्त।

उत्तर – विग्रह: नक्काशी + दार; अर्थ-निर्माण: "जिसमें नक्काशी हो" यानी नक्काशी से युक्त।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

- मुहावरों के प्रयोग वाले वाक्य लिखो–भाव सही रहे, तभी नंबर कटते नहीं।
- NCERT/बोर्ड में अक्सर 'व्यक्ति-चित्रण' वाले प्रश्न में गुण-सूचक विशेषणों की सूची मांगते हैं।
- उत्तर लिखते समय "सांप्रदायिकता नहीं + मेस/प्रार्थना साथ" जरूर जोड़ना।
- प्रश्न में 'क्यों' आता है तो डर के साथ 'वातावरण/प्रार्थना' वाला कारण जरूर जोड़ना।
- कविता-यात्रा पर लिखते समय 'बेचैनी/उत्साह' और 'पुरस्कार से आत्मविश्वास' दोनों लिखना।
- प्रश्न आने पर 3 शब्द लिखो: मूल्य- संबंध- संवेदना; फिर उदाहरण जोड़ो।
- बोर्ड/परीक्षा में 'भाव-व्यवस्था' वाले प्रश्न में क्रम और संवेदना के 2-3 ठोस शब्द ज़रूर लिखो।
- बोर्ड/NCERT में विलोम का अर्थ-विरोध दिखाना जरूरी है–शब्द का चयन सही रखें।
- उत्तर में उपसर्ग-प्रत्यय और 'मूल शब्द' तीनों साफ लिखो।
- बोर्ड/नोट्स में मूल शब्द + उपसर्ग/प्रत्यय अलग-अलग जरूर लिखो।
- उत्तर में 'विग्रह' के बाद 1 लाइन 'अर्थ-निर्माण' जरूर लिखो–यहीं से अंक आते हैं।

एक नज़र में रिवीज़न

› - चयन: मुहावरा चुनो, अर्थ: भाव समझो, प्रयोग: वाक्य बनाओ
› - व्यक्ति चुनो, गुण/विशेषण छाँटो, कारण भी लिखो।
› - भाषा अलग, सांप्रदायिकता नहीं, मेस-प्रार्थना साथ
› - मौलवी का डर + मिशन का बदला माहौल = पढ़ाई रुक गई
› - तुक + बेचैनी(उत्साह) + रिहर्सल = बेहतर कविता
› - कटोरा = सम्मान, सही मूल्य = संबंध और संवेदना
› क्रम-भाव-इंद्रिय: तीनों साथ, तभी डायरी जीवंत।
› विलोम = उल्टा अर्थ; पहले अर्थ, फिर विपरीत शब्द
› शुरू: उपसर्ग, अंत: प्रत्यय, बीच: मूल शब्द
› शुरू–उपसर्ग, अंत–प्रत्यय; जोड़ो और अर्थ देखो।

› - विग्रह = तोड़ + घटकों से अर्थ